VRINDAVAN
Books International

BASED ON
NEP/NCF

संस्कृत निकुंज

Teacher's Manual

प्रवेशिका

Vrindavan Books International
New Delhi

दूसरा पाठ :
वर्णमाला

2. एक पद में उत्तर–

   (क) प वर्ग।

   (ख) कण्ठ से।

   (ग) त वर्ग।

   (घ) अ।

3. (क) अ, आ, ह, अः, क, ख, ग, घ, ङ। इनकी संख्या 9 है।

   (ख) श, ष, स, ह।

   (ग) एक–मात्रिक स्वरों के उच्चारण में एक ताली बजने के बराबर समय लगता है जबकि द्विमात्रिक में एक–मात्रिक स्वर का दुगना समय लगता है।

   (घ) ओ, औ

4. (क) बदरः 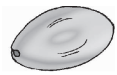

   (ख) एड्का 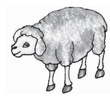

   (ग) चञ्चः 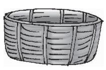

   (घ) औपधेयम्

5. (क) झोंपड़ी

   (ख) कबूतर

   (ग) बंदर

   (घ) जुलाहा

   (ड) साँप

   (च) राकेट

तीसरा पाठ :
यह (एकवचन में)

अयं पाठकः।	यह पाठक है/छात्र है।
अयं पाठकः पठति।	यह छात्र/पाठक पढ़ता है।
अयं शिशुः।	यह बच्चा है।
अयं शिशुः क्रीडति।	यह बच्चा खेलता है।

अयं धीवरः।	यह मल्लाह है।
अयं धीवरः नौकां कर्षति।	यह मल्लाह नाव खेता/चलाता है।
इयम् अक्का।	यह माँ है।
इयम् अक्का पचति।	यह माँ पकाती है।
इयम् आशा।	यह आशा है।
इयम् आशा पचति।	यह आशा पकाती है।
इयं जननी।	यह माँ है।
इयं जननी गर्तं खनति।	यह माँ गड्ढा खोदती है।
इदम् आभूषणम्।	यह गहना है।
इदम् आभूषणं द्योतयति।	यह गहना चमकता है।
इदं पत्रम्।	यह पत्ता है।
इदं पत्रम् हरितम् अस्ति।	यह पत्ता हरा है।
इदं केयूरम्	यह बाजूबंद है।
इदं केयूरम् स्वर्णमण्डितम् अस्ति।	यह बाजूबंद सोने से बना है।

अभ्यास

2. (क) पाठकः। (ख) धीवरः।
   (ग) अक्का। (घ) जननी।
   (ङ) आभूषणं।
3. (क) शिशुः क्रीडति। (ख) अक्का पचति।
   (ग) जननी गर्तं खनति। (घ) केयूरम् स्वर्णमण्डितं अस्ति।
   (ङ) पत्रं हरितम् अस्ति।
4. (क) अयं आम्रः।
   (ख) इयं लत्तिका।
   (ग) इयं छत्रम्।
   (घ) इदं ढक्का अस्ति।
   (ङ) इयं एडकां पश्यति।

5. (क) अयं खगः। (ख) इदम् विमानम्।
(ग) अयं कुम्भकारः। (घ) इयम् अक्का पचति।
(ङ) इयं सीता चलति।

6.

(क)	पचति	पच्	अति	च् + अति = चति	पचति
(ख)	खनति	खन्	अति	न् + अति = नति	खनति
(ग)	कर्षति	कर्ष्	अति	ष् + अति = षति	कर्षति
(घ)	क्रीडति	क्रीड्	अति	ड् + अति = डति	क्रीडति
(ङ)	लिखति	लिख्	अति	ख् + अति = खति	लिखति

चौथा पाठ

यह—द्विवचन में

इमौ पाठकौ।	ये (दो) पाठक/छात्र हैं।
इमौ पाठकौ पठतः।	ये दोनों पाठक/छात्र पढ़ते हैं।
इमौ शिशू।	ये (दो) बच्चे हैं।
इमौ शिशू क्रीडतः।	ये दोनों बच्चे खेलते हैं।
इमौ धीवरौ।	ये (दो) मल्लाह हैं।
इमौ धीवरौ नौके कर्षतः।	ये दोनों मल्लाह नाव खेते/चलाते हैं।
इमे अक्के।	ये (दो) माँ हैं।
इमे अक्के पचतः।	ये दोनों माँएँ पकाती हैं।
इमे महिले।	ये (दो) महिलाएँ हैं।
इमे महिले सज्जां कुरुतः।	ये दोनों महिलाएँ सजावट करती हैं।
इमे जनन्यौ।	ये (दो) माँएँ हैं।
इमे जनन्यौ गर्ते खनतः।	ये दोनों माँएँ गड्ढा खोदती हैं
इमे पत्रे।	ये (दो) पत्ते हैं।
इमे पत्रे हरिते स्तः।	ये दोनों पत्ते हरे हैं।
इमे केयूरे।	ये (दो) बाजूबंद हैं।
इमे केयूरे स्वर्णमण्डिते स्तः।	ये दोनों बाजूबंद सोने से बने हैं।

इमे आभूषणे।	ये दोनों आभूषण हैं।
इमे आभूषणे द्योतयते।	ये दोनों आभूषण चमकते हैं।

अभ्यास

2. (क) पाठकौ। (ख) धीवरौ।
   (ग) अक्के। (घ) जनन्यौ।
   (ङ) आभूषणे।
3. (क) शिशू क्रीडतः।
   (ख) अक्के पचतः।
   (ग) जनन्यौ गर्ते खनतः।
   (घ) पत्रे हरिते स्तः।
   (ङ) केयूरे स्वर्णमण्डिते स्तः।
4. (क) इमौ आम्रौ। (ख) खगौ उत्पततः।
   (ग) कीटीभक्षे स्तः। (घ) छत्रके स्तः।
   (ङ) कपोतौ स्तः। (च) इमौ अकूपारौ चलतः।
5. (क) इमौ खगौ।
   (ख) इमौ विमाने स्तः।
   (ग) इमौ कुम्भ कारौ।
   (घ) रमे माते भोजनं पचतः।
   (ङ) इमे माते।
6. (क) ये दो मोर हैं।
   (ख) ये दोनों पक्षी हैं।
   (ग) ये दोनों आभूषण हैं।
   (घ) ये दोनों मोर नाचते हैं।
   (ङ) वे दोनों लड़किया पढ़ती हैं।
7.

	धातु रूप	धातु	प्रत्यय	स्पष्टीकरण	पद रूप
(क)	क्रीडतः	क्रीड्	अतः	ड् + अ = ड	क्रीडतः
(ख)	कर्षतः	कर्ष्	अतः	ष् + अ = ष	कर्षतः
(ग)	पचतः	पच्	अतः	च् + अ = च	पचतः

(घ)	खनतः	खन्	अतः	न् + अ = न	खनतः
(ङ)	चलतः	चल्	अतः	ल् + अ = ल	चलतः

पाँचवाँ पाठ :

यह–बहुवचन में

इमे पाठकाः।	ये छात्र हैं।
इमे पाठकाः पठन्ति।	ये छात्र पढ़ते हैं।
इमे शिशवः।	ये बच्चे हैं।
इमे शिशवः क्रीडन्ति।	ये बच्चे खेलते हैं।
इमे धीवराः।	ये मल्लाह हैं।
इमे धीवराः नौकाः कर्षन्ति।	ये मल्लाह नाव खेते/चलाते हैं।
इमाः अक्काः।	ये माँएँ हैं।
इमाः अक्काः पचन्ति।	ये माँएँ पकाती हैं।
इमाः महिलाः।	ये महिलाएँ हैं।
इमाः महिलाः सज्जाः कुर्वन्ति।	ये महिलाएँ सजावट करती हैं।
इमाः जनन्याः।	ये माँएँ हैं।
इमाः जनन्याः गर्ताः खनन्ति।	ये माँएँ गड्ढे खोदती हैं।
इमानि आभूषणानि।	ये आभूषण हैं।
इमानि आभूषणानि द्योतयन्ति।	ये आभूषण चमकते हैं।
इमानि पत्राणि।	ये पत्ते हैं।
इमानि पत्राणि हरितानि सन्ति।	ये पत्ते हरे हैं।
इमानि केयूराणि।	ये बाजूबंद हैं।
इमानि केयूराणि स्वर्णमण्डितानि सन्ति।	ये बाजूबंद सोने के बने हैं।

अभ्यास

1. (क) पाठकाः (ख) धीवराः
   (ग) अक्काः (घ) जनन्याः
   (ङ) आभूषणानि
2. (क) शिशवः क्रीडन्ति।

(ख) अक्काः पचन्ति।

(ग) जनन्याः गर्ताः खनन्ति।

(घ) पत्राणि हरितानि सन्ति।

(ङ) केयूराणि स्वर्णमण्डितानि सन्ति।

4. (क) इमे आम्राः

(ख) इमे कपोताः खादन्ति।

(ग) इमाः लत्तिकाः सन्ति।

(घ) इमानि छत्राणि सन्ति।

(ङ) इमे खगाः सन्ति।

(च) इमे कच्छपाः चलन्ति।

5. (क) इमे खगाः।

(ख) इमानि विमानानि।

(ग) इमे कुम्भकाराः।

(घ) इमाः अक्काः।

(ङ) इमाः अक्काः भोजनं पचन्ति।

6. (क) ये मोर हैं। (ख) ये पक्षी उड़ते हैं।

(ग) ये आभूषण सुंदर हैं। (घ) वे स्त्रियाँ जाती हैं।

(ङ) वे लड़कियाँ खेलती हैं।

7.

	धातु रूप	धातु	प्रत्यय	स्पष्टीकरण	पद रूप
(क)	क्रीडन्तिः	क्रीड्	अन्ति	ड् + अ = ड	क्रीडन्तिः
(ख)	कर्षन्तिः	कर्ष्	अन्ति	र्ष् + अ = र्ष	कर्षन्तिः
(ग)	पचन्तिः	पच्	अन्ति	च् + अ = च	पचन्तिः
(घ)	खनन्तिः	खन्	अन्ति	न् + अ = न	खनन्तिः
(ङ)	चलन्तिः	चल्	अन्ति	ल् + अ = ल	चलन्तिः

छठा पाठ :

यहाँ और वहाँ (पहला भाग)

अत्र धेनु: चरति।	यहाँ गाय चरती है।
तत्र गज: खादति।	वहाँ हाथी खाता है।
अत्र मीरा पठति।	यहाँ मीरा पढ़ती है।
तत्र गोपाल: क्रीडति।	वहाँ गोपाल खेलता है।
अत्र ओक: अस्ति।	यहाँ घर है।
तत्र शिवालय: अस्ति।	वहाँ शिवालय है।
अत्र उत्सारक: भारं वहति।	यहाँ कुली भार ढोता है।
तत्र रजक: प्रक्षालयति।	वहाँ धोबी धोता है।
अत्र फलं पतति।	यहाँ फल गिरता है।
तत्र कन्दुकं पतति।	वहाँ गेंद गिरती है।
अत्र वर्तिका तरति।	यहाँ बत्तख तैरती है।
तत्र मकर: तरति।	वहाँ मगरमच्छ तैरता है।
अत्र मयूर: केकयति।	यहाँ मोर बोलता है।
तत्र पयोधर: गर्जन्ति।	वहाँ बादल गरजते हैं।
अत्र अजक: कूर्दति।	यहाँ मेमना कूदता है।
तत्र मृग: कूर्दति।	वहाँ हिरन कूदता है।
अत्र छात्र: आगच्छति।	यहाँ छात्र आता है।
तत्र छात्रा गच्छति।	वहाँ छात्रा जाती है।
अत्र दर्दुर: तरति।	यहाँ मेढक तैरता है।
तत्र कमलं विकसति।	वहाँ कमल खिलता है।

अभ्यास

1. (ग) अत्र मयूर: केकयति।
   (ख) तत्र मीरा क्रीडति।
   (ख) अत्र वानर: कूर्दति।
   (ग) अत्र पुष्पं विकसति।

2. (क) अत्र दर्दुरः तरति।
(ख) तत्र मयूरः नृत्यति।
(ग) अत्र वर्तिका धावति।
(घ) तत्र बालिका क्रीडति।

3. (क) गच्छति। (ख) प्रक्षालयति।
(ग) खादति। (घ) पठति।

4. (क) अत्र (ख) तत्र
(ग) अत्र (घ) तत्र

5. (क) धेनुः (ख) उत्सारकः
(ग) रजकः (घ) छात्रः
(ङ) अजकः

सातवाँ पाठ :

यहाँ और वहाँ (दूसरा भाग)

अत्र धेनवः चरन्ति।	यहाँ गायें चरती हैं।
तत्र गजाः खादन्ति।	वहाँ हाथी खाते हैं।
अत्र उत्सारकाः भारं वहन्ति।	यहाँ कुली भार ढोते हैं।
तत्र रजकाः प्रक्षालयन्ति।	वहाँ धोबी धोते हैं।
अत्र कण्डीलाः गच्छन्ति।	यहाँ ऊँट जाते हैं।
तत्र मृगाः धावन्ति।	वहाँ हिरन दौड़ते हैं।
अत्र मूषकाः धावन्ति।	यहाँ चूहे दौड़ते हैं।
तत्र बिडालाः सन्ति।	वहाँ बिल्ली हैं।
अत्र पत्राणि पतन्ति।	यहाँ पत्ते गिरते हैं।
तत्र कन्दुकानि पतन्ति।	वहाँ गेदें गिरती हैं।
अत्र वर्तिकाः तरन्ति।	यहाँ बत्तखें तैरती हैं।
तत्र अजाः चरन्ति।	वहाँ बकरियाँ चरती हैं।
अत्र छात्राः आगच्छन्ति।	यहाँ छात्र आते हैं।
तत्र बालिकाः गच्छन्ति।	वहाँ लड़कियाँ जाती हैं।

अत्र अजका: कूर्दन्ति।	यहाँ मेमने कूदते हैं।
तत्र वर्तिका: तरन्ति।	वहाँ बतखें तैरती हैं
अत्र मयूरा: केकयन्ति।	यहाँ मोर बोलते हैं।
तत्र मेघा: गर्जन्ति।	वहाँ बादल गरजते हैं।
अत्र बालिका: क्रीडन्ति।	यहाँ लड़कियाँ खेलती हैं।
तत्र बालका: धावन्ति।	वहाँ लड़के दौड़ते हैं

अभ्यास

1. (ख) अत्र रजका: प्रक्षालयन्ति।
   (ख) तत्र अजा: धावन्ति।
   (क) तत्र बालका: खादन्ति।
   (ख) अत्र वृषभा: चरन्ति।
2. (क) कपोता: (ख) बिडाला:
   (ग) कण्डीला: (घ) बालका:
3. (क) अत्र कुक्कुरा: धावन्ति।
   (ख) तत्र मयूरा: सन्ति।
   (ग) तत्र नौका: सन्ति।
   (घ) अत्र सिंहा: सन्ति।

आठवाँ पाठ :

वह (एकवचन में)

स: मूषक: अस्ति।	वह चूहा है।
स: खादति।	वह खाता है।
स: अश्व: अस्ति।	वह घोड़ा है।
स: धावति।	वह दौड़ता है।
स: भुजंग: अस्ति।	वह साँप है।
स: फुत्करोति।	वह फुँकारता है।
सा कन्या अस्ति।	वह लड़की है।
सा रोदिति।	वह रोती है।

सा दुर्गा अस्ति।	वह दुर्गा है।
सा दैत्यं संहरति।	वह राक्षस का संहार करती है।
सा निर्मला अस्ति।	वह निर्मला है।
सा मृदंगं वादयति।	वह तबला बजाती है।
तत् वस्त्रम् अस्ति।	वह कपड़ा है।
तत् आच्छादनाय अस्ति।	वह ढकने के लिए है।
तत् लवणम् अस्ति।	वह नमक है।
तत् तिक्तम् अस्ति।	वह नमकीन है।
तत् पुष्पम् अस्ति।	वह फूल है।
तत् सुगंधयुतम् अस्ति।	वह सुगंधयुक्त है।

अभ्यास

2. (क) धावति। (ख) भुजंगः
   (ग) वस्त्रम् (घ) लवणम्
   (ङ) पुष्पम्
3. (क) सः मूषकः खादति।
   (ख) दुर्गा दैत्यं संहरति।
   (ग) निर्मला मृदंगं वादयति।
   (घ) तत् वस्त्रं आच्छादनाय अस्ति।
   (ङ) तत् पुष्पं सुगन्धयुक्तम् अस्ति।
4. (क) वह चूहा खाता है।
   (ख) वह घोड़ा दौड़ता है।
   (ग) वह कन्या संहार करती है।
   (घ) वह दुर्गा है।
   (ङ) वह बाँसुरी बजाती है।
5. (क) सः एकः मूषकः अस्ति।
   (ख) सः भुजंगः फुत्करोति।

(ग) सा दुर्गा न अस्ति।

(घ) सा बालिका वीणां वादयति।

(ङ) तत् लवणं तिक्तम् अस्ति।

6. (क) सः मूषकः। (ख) सा अजा।

(ग) तत् लवणम्। (घ) लवणं तिक्तं भवति।

(ङ) तत् मधुरं जलम् अस्ति।

नौवाँ पाठ :
वह (द्विवचन में)

तौ मूषकोः स्तः।	वे दोनों चूहे हैं।
तौ खादतः।	वे दोनों खाते हैं।
तौ अश्वौ स्तः।	वे दोनों घोड़े हैं।
तौ धावतः।	वे दोनों दौड़ते हैं।
तौ भुजंगौ स्तः।	वे दोनों साँप हैं।
तौ फुत्कुरुतः।	वे दोनों फुँकारते हैं।
ते कन्ये स्तः।	वे दोनों लड़कियाँ हैं।
ते रुदितः।	वे दोनों रोती हैं।
ते अबले स्तः।	वे दोनों स्त्रियाँ हैं।
ते मृदंगौ वादयतः।	वे दोनों तबला बजाती हैं।
ते कन्ये स्तः।	वे दोनों कन्याएँ हैं।
ते नृत्यतः।	वे दोनों नाचती हैं।
ते वस्त्रे स्तः।	वे दोनों वस्त्र हैं।
ते आच्छादनाय स्तः।	वे दोनों ढकने के लिए हैं।
ते कमले स्तः।	वे दोनों कमल हैं
ते जले स्तः।	वे दोनों पानी में हैं
ते पुष्पे स्तः।	वे दोनों फूल हैं।
ते सुगंधयुक्ते स्तः।	वे दोनों सुगंधयुक्त हैं।

अभ्यास

2. (क) खादतः (ख) कन्ये
   (ग) कन्ये (घ) जले
   (ङ) सुगंधयुक्ते
3. (क) तौ अश्वौ धावतः।
   (ख) तौ भुजंगौः फुत्कुरुतः।
   (ग) अबले मृदंगौ वादयतः।
   (घ) ते वस्त्रे आच्छादनाय स्तः।
   (ङ) ते जले कमले स्तः।
4. (क) वे दो चूहे हैं
   (ख) वे दो साँप फुँकारते हैं।
   (ग) वे दो कन्या रोती हैं।
   (घ) वे दो बालिका नाचती हैं।
   (ङ) वे दो घर हैं।
5. (क) तौ बालौ क्रीडतः।
   (ख) तौ वृषभौ फुत्कुरुतः।
   (ग) ते बालिके धावतः।
   (घ) ते मृदंगौ वादयतः।
   (ङ) तौ नृत्यतः।
6. (क) ते पठतः। (ख) तौ लिखतः।
   (ग) ते मृदंगौ वादयतः। (घ) तौ धावतः।
   (ङ) तौ क्रीडतः।

दसवाँ पाठ :

वह (बहुवचन में)

ते मूषकाः सन्ति।	वे चूहे हैं।
ते खादन्ति।	वे खाते हैं।
ते अश्वाः सन्ति।	वे घोड़े हैं।

ते धावन्ति।	वे दौड़ते हैं।
ते भुजंगाः सन्ति।	वे साँप हैं।
ते फुत्कुर्वन्ति।	वे फुँकारते हैं।
ताः कन्याः सन्ति।	वे लड़कियाँ हैं।
ताः रुदन्ति।	वे रोती हैं।
ताः अबलाः सन्ति।	वे स्त्रियाँ हैं।
ते मृदंगान् वादयन्ति।	वे तबले बजाती हैं।
ताः कन्याः सन्ति।	वे लड़कियाँ हैं।
ताः नृत्यन्ति।	वह नाचती हैं।
तानि वस्त्राणि सन्ति।	वे कपड़े हैं।
तानि आच्छादनाय सन्ति।	वे ढकने के लिए हैं।
तानि कमलानि सन्ति।	वे कमल हैं।
तानि जले सन्ति।	वे पानी में हैं।
तानि पुष्पाणि सन्ति।	वे फूल हैं।
तानि सुगन्धयुक्तानि सन्ति।	वे सुगन्धयुक्त हैं।

अभ्यास

2. (क) खादन्ति। (ख) भुजंगाः
   (ग) कन्याः (घ) वस्त्राणि
   (ङ) पुष्पाणि
3. (क) अश्वाः धावन्ति। (ख) भुजंगाः फुत्कुर्वन्ति।
   (ग) कन्याः रुदन्ति। (घ) अबलाः मृदंगान् वादयन्ति।
   (ङ) तानि कमलानि जले सन्ति।
4. (क) वे घोड़े हैं। वे दौड़ते हैं। (ख) वे कन्याएँ हैं। वे रोती हैं।
   (ग) वे फूल हैं। वे सुगन्धित हैं।
5. (क) ते मयूराः सन्ति। (ख) ते सारमेयाः सन्ति।
   (ग) ते/ताः कोकिलाः सन्ति। (घ) ताः अबलाः सन्ति।

(ङ) ताः धेनवाः सन्ति। (च) तानि उद्यानानि सन्ति।

ग्यारहवाँ पाठ :

परिवार

संकेत : एषा कनिष्का ------------------------कूर्दति च।

अर्थ—यह कनिष्का है। यह प्रियांश है। प्रियांश छोटा (भाई) और कनिष्का बड़ी है। कनिष्का पढ़ती है। प्रियांश खेलता और कूदता है।

संकेत : अयं विनोद पालीवालः --------------------पाठयति।

अर्थ—यह विनोद पालीवाल है। विनोद पालीवाल पिता है। वह कनिष्का और प्रियांश को विद्यालय ले जाता है। वह एक सज्जन पुरुष और अध्यापक है। वह संस्कृत पढ़ाता है।

संकेत : इयं रामायणा ---------------------- अबला अस्ति।

अर्थ—यह रामायणा है। रामायणा माता है। रामायणा गृहिणी है। वह प्रतिदिन देव मंदिर जाती है। वहाँ देवार्चन करती है। रामायणा सुशील स्त्री है।

अभ्यास

2. कुक्कुरः ; धेनु; बालिका
3. गच्छतः ; बालिके ; बालकः
4. (क) (i) बालिका अस्ति। (ii) बालिका पठति।
   (iii) बालिका कूर्दति। (iv) बालिका क्रीडति।
   (ख) (i) माता गां नयति। (ii) माता पाठयति।
   (iii) माता कार्यं करोति। (iv) माता गच्छति।
   (ग) (i) जनकः अस्ति। (ii) जनकः पाठयति।
   (iii) जनकः लिखति। (iv) जनकः सेवां करोति।
   (घ) (i) बिडालः धावति। (ii) बिडालः अस्ति।
   (iii) बिडालः अनुधावति। (iv) बिडालः चलति।
6. (क) अश्वः धावति। (ख) सः अश्वः न धावति।
   (ग) बालकः स्वपिति। (घ) अयं शशांकः अस्ति।

बारहवाँ पाठ :

दो सखियाँ

संकेत : ललिता गीता ----------------------गायकौ स्तः।

अर्थ—ललिता और गीता सखियाँ हैं। वे पाँचवीं कक्षा में पढ़ती हैं। ललिता के दो भाई हैं। पहला पटना नगर में रहता है। दूसरा मेरठ नगर में रहता है। वे दोनों भाई गायक हैं।

संकेत : ते द्वे सख्यौ --------------------------स्मरतः।

अर्थ—वे दोनों सखियाँ प्रातः घूमने के लिए जाती हैं। वे दोनों सखियाँ बगीचे में घूमती हैं। बाद में वे विद्यालय जाती हैं। ललिता और गीता वहाँ पढ़ती हैं। वे दोनो ंपाठ याद करती हैं।

संकेत : गीतायाः द्वौ --------------------------च स्तः।

अर्थ—गीता के दो भाई हैं। पहला सतीश और दूसरा गिरीश है। वे दोनों भाई ब्रह्ममुहुर्त में उठते हैं। वे दोनों ईश्वर भक्त, विनम्र और सरल हैं।

अभ्यास

2. (क) पञ्चमी (ख) प्रातः
   (ग) विद्यालयम् (घ) गीतायाः भ्राता
3. (क) ललिताया भ्रातरौ; प्रथमः पटना नगरे अपरे च मेरठ नगरे वसति।
   (ख) ललिता गीता च उद्यानं प्रातः भ्रमतः।
   (ग) विद्यालये गीता ललिता च पठतः।
   (घ) गीतायाः भ्रातरौ नाम—सतीशः गिरीशः च।
4. (क) गीता शैला च मेरठ नगरे वसतः। (ख) सीता गीता च सख्यौ स्तः।
   (ग) रामः श्यामः च भ्रातरौ स्तः। (घ) गोपालः रूपा च गच्छतः।
5. (क) शीला अथवा मीरा आती/आ रही है।
   (ख) दूसरा मेरठ शहर में रहता है।
   (ग) बाद में वे (दोनों) विद्यालय जाती हैं
   (घ) गीता के दो भाई हैं।
6. (क) तौ विनम्रौ स्तः। (ख) सीता–रामौ: गच्छतः।